डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 58 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 08 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

धूप निकली, दोपहर में ठंड से थोड़ी राहत

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में कड़ाके की ठंड से बुधवार को थोड़ी राहत मिली है। सुबह से मौसम साफ रहा और धूप निकली थी। हालांकि तापमान में ज्यादा अंतर नहीं है। अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के आसपास बना हुआ है। वहीं जिले में मिचोंग तूफान का ज्यादा असर देखने को नहीं मिला। तूफान के गुजर जाने बाद राहत है। अब एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा। सप्ताह की शुरुआत के साथ एक बार फिर तापमान में गिरावट आएगी। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि 11-12 दिसंबर को एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है, इससे प्रदेश में एक बार फिर बारिश का अनुमान है।

मंदसौर विस: आक्रोश और नाराजगी बनी हार का कारण

भाजपा को समर्थन करने वाले वर्ग ने किया कांग्रेस का रुख, छोटे ठेकेदारों की नाराजगी निगल गई जीत

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा चुनाव परिणाम इस समय मालवा ही नही बल्कि प्रदेश में सबसे ज्यादा चर्चाओं में है। इसका कारण है यहां के ऑडियो वायरल होना। जिसमें कार्यकर्ताओं की नाराजगी नजर आना तो भाजपा प्रत्याशी के करीबी और भाजपा पदाधिकारी पर आरोप लगाए जाना। यहां किसी एक पदाधिकारी में इतनी हिम्मत नहीं कि लाडली बहना और नरेंद्र मोदी के प्रभाव के बीच किसी भाजपा प्रत्याशी को नुकसान पहुंचा दे। कहीं छोटे ठेकेदारों की नाराजगी तो कुछ वर्गो द्वारा इस चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देना हार का कारण बना। शहर के बूथ पर हार देखी जाए तो भाजपा मंडलों के पदाधिकारियों की भी चूक नजर आती है। इसका कारण है कि शहर को मंडलों में बांटकर भाजपा ने मंडल प्रभारियों पर विश्वास भी जताया था।

बदनाम ठेकेदार का लगभग एक छत्र राज...

सरकार किसी की भी हो प्रदेशस्तरीय ठेकेदार हो या जिला स्तरीय या नगरपालिका स्तरीय ठेकेदार, सब पर किसी न किसी जनप्रतिनिधि का ठप्पा जरुर होता है। लेकिन, एक ठेकेदार ऐसा रहा जिस पर भाजपा प्रत्याशी का आशीर्वाद कुछ ज्यादा ही रहा। इसी आशीर्वाद का फायदा उठाते हुए इस ठेकेदार ने छोटे मोटे ठेकेदारों को लगभग निगल ही लिया। लंबे समय से ठेकेदारों का समूह जहां भाजपा को समर्थन देता था। इस बार आशीर्वादधारक ठेकेदार का एक छत्रराज ने ठेकेदारों के समूह के वोटों को कांग्रेस की तरफ डायवर्ट कर दिया। भले ही ठेकेदारों की संख्या कम है, लेकिन हार-जीत का अंतर सिर्फ दो हजार है तो कहीं न कहीं इनके रिश्तेदारों और चाहने वालों के वोट टूटना एक महत्वपूर्ण बात है।

तीन वर्गों का मतदाता हुआ डायवर्ट...

यहां एक बात और गोर करने वाली है कि कथित रूप से कांग्रेस समर्थित मुस्लिम वर्ग विधानसभा में पूरी तरह से समर्थन न दे, लेकिन भाजपा को नुकसान भी नहीं पहुंचाता। इस बार मुस्लिम वार्डो के अधिकांश वोट कांग्रेस के समर्थन में गए। इधर बात करें जैन समाज की तो इस बार चुनाव के पहले ही कांग्रेस प्रत्याशी और जैन समाज से आने वाले विपीन जैन ने समाज के वोट बटोरने के लिए रणनीति तैयार कर ली थी। जिससे भाजपा के पाले में गिरने वाले वोटों ने इस बार पाला चेंज कर दिया। जबकि, पिछले चुनाव में नरेंद्र नाहटा को जैन समाज के वोटरों ने नकारा था। इधर पाटीदार समाज भी भाजपा से नाराज नजर आया। इसका गवाह है कुछ दिनों पहले पाटीदार सम्मेलन में चली चर्चा। इसके अलावा कुमावत समाज से जुडे कुछ ठेकेदार भी भाजपा से नाखुश थे।

दक्षिण मंडल रहा उत्तर मंडल से कमजोर...

शहर में हार के लिए अभी तक नपा के पार्षदों और कर्ताधर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इनकी जिम्मेदारी भी बनती है। लेकिन, जिम्मेदारी भाजपा के शहर के दोनों मंडलों की भी बनती है। संगठन स्तर पर दोनों की ही भूमिका इस चुनाव में महत्वपूर्ण थी। दक्षिण मंडल को देखा जाए तो कहीं न कहीं कमजोरी नजर आई। यहां अधिकांश पोलिंग पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। जबकि, यहां मंडल अध्यक्ष भाजपा प्रत्याशी के खास अजय आसेरी थे। इधर बात करें दक्षिण मंडल की तो एक तरफा वोटिंग भाजपा के पक्ष में इसके बूथों पर नहीं हुई। लेकिन, दक्षिण मंडल से उत्तर मंडल में भाजपा के लिए स्थिति ठीक ठाक रही।

टीएनसी भी रही कारण...

हाल ही में तेलिया तालाब को लेकर एनजीटी का फैसला आया है। जिसको लेकर कुछ लोगों को झटका लगा। इधर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग द्वारा चुनाव आचार संहिता के बीच जारी विजन 2035 भी एक कारण रहा। इन दोनो मामलो से रसूखदारों को फायदा जरुर पहुंचा, लेकिन कई लोग इस फैसले से नुकसान महसूस कर रहे हैं। जिसका खामिजयाजा संभवत: भाजपा को भुगतना पड़ा। इधर कृषि मंडी में गोदाम की लीज का मामला भी कहीं न कहीं भाजपा के लिए माइनस ही गया।

खाटू श्याम मंदिर विवाद से भी हुआ नुकसान...

शहर सहित विधानसभा क्षेत्र के हजारो लोगो की आस्था के केन्द्र यश कालोनी स्थित खाटू श्याम मंदिर व्यवस्था को लेकर चल रहे विवाद से भी लोगो का मन दु:खा। यही कारण है कि श्याम भक्तो ने यह स्लोगन भी दिया कि 'जो श्याम का नहीं, वो किसी काम का नहीं।' बता दें कि भाजपा प्रत्याशी रहे श्री यशपालसिंह सिसौदिया भी मंदिर ट्रस्ट के संरक्षक ट्रस्टी है। हालांकि, विवाद के बीच उन्होंने ट्रस्ट से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी थी। किन्तु, श्याम भक्तो का कहना था कि वे चाहते तो विवाद का निराकरण करा सकते थे।

मालवांचल के लिए लक्की है मोदी

पिछली बार की तरह मंदसौर में 3-1, नीमच में 3-0, इंदौर 9-0, रतलाम में भी बढ़त

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री मोदी इस बार चुनाव प्रचार के लिए इंदौर, रतलाम और नीमच आए और वहीं कहानी रिपीट हुई। इंदौर, रतलाम और मंदसौर में भाजपा को अच्छी बढ़त मिली। इधर बात करें मंदसौर जिले की सियासत की तो दिलचस्प बात यह है कि यहां जब-जब कोई प्रधानमंत्री प्रचार करने आया, उनकी पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। लेकिन, मोदी ने इसे गलत साबित कर दिया है।

1989 के लोकसभा चुनाव में यहां कांग्रेस के उम्मीदवार तत्कालीन सांसद बालकवि बैरागी थे और भाजपा से डॉ. लक्ष्मीनारायण पांड्या। राजीव गांधी क्रीड़ा परिसर में पूरे संसदीय क्षेत्र की चुनावी सभा हुई। इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी अपनी पत्नी सोनिया गांधी के साथ आए थे। उन्हें देखने और सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। लगभग एक लाख लोगों की भीड़ देखकर कांग्रेस के तत्कालीन पदाधिकारी व नेता भी खुश होकर जीत के प्रति आश्वस्थ थे। लेकिन, जब परिणाम आए तो वह बिल्कुल विपरीत रहे। बैरागी चुनाव हार गए और डॉ. पांडेय जीतकर दिल्ली पहुंच गए।

अन्य पीएम आते तो होता रहा दलों को नुकसान

1998 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी मंदसौर में सभा लेने आए। 1993 में मंदसौर-नीमच जिले की सात सीटों में से चार कांग्रेस के पास थी और तीन भाजपा के पास। मप्र में कांग्रेस की सरकार थी। मंदसौर में सातों सीटों में उतरे भाजपा प्रत्याशियों के लिए वाजपेयी की सभा मंदसौर में हुई। यहां भी अनुमानित एक लाख लोग पहुंचे थे। संबोधित करते हुए अटलजी ने कहा कि जूता पुराना हो जाए तो बदल देना चाहिए। भाजपा प्रत्याशियों को भी उम्मीद थी कि यह सभा काम कर जाएगी, पर हुआ इसका उलटा ही। मंदसौर-नीमच जिले की सातों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार जीत गए।

जब पीएम नहीं थे तब आए तो...

इंदिरा गांधी भी एक बार मंदसौर में चुनाव प्रचार के लिए आ चुकी हैं, पर तब वे प्रधानमंत्री नहीं थीं। उस समय रात के दो बजे भी उन्हें सुनने के लिए वर्तमान नेहरू बस स्टैंड के पास भारी भीड़ जमा हुई थी। तब जनता ने उनकी बात सुनी और अविभाजित मंदसौर जिले की सातों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को जीत दिलवा दी। इसी तरह 2013 के विस चुनाव में भी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी मंदसौर में सभा करने आए थे। मतदान के बाद जो परिणाम आए तो सात में से छह सीट पर भाजपा जीती थी। एकमात्र सुवासरा सीट पर कांग्रेस के हरदीप सिंह डंग ने जीत दर्ज की थी।

करणी सेना ने अनेक जगह किया प्रदर्शन

ज्ञापन सौंप सुखदेवसिंह गोगामेड़ी की हत्या की उच्चस्तरीय जांच की मांग की

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान के जयपुर में राष्ट्रीय राजपूत करणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या का देशभर में विरोध हो रहा है। बुधवार को राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने शहर के महाराणा प्रताप चौराहे पर प्रदर्शन किया। शहर सहित आसपास से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप चौराहे पर नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। इसके अलावा शामगढ़, सीतामऊ, सुवासरा सहित अन्य जगहों पर भी प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया गया।

मंदसौर के महाराणा प्रताप चौराहे पर हुए प्रदर्शन में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया भी शामिल हुए। महाराण प्रताप चौराहा से राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना कार्यकर्ता रैली के रूप में पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे। यहां सुखदेव सिंह गोडमेडी हत्याकांड की उच्चस्तरीय जांच की मांग का एक ज्ञापन तहसीलदार रमेश मसारे को सौंपा। बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया के हत्याकांड पर सवाल उठाते हुए कहा की कांग्रेस सरकार में सुखदेव सिंह ने सुरक्षा की मांग की थी। चुनाव परिणाम में भाजपा को जनादेश दिया। उन्होंने कहा की कांग्रेस की हार होते ही सुखदेव सिंह की हत्या होने से कई आशंकाओं को जन्म दे रहा है। उन्होंने सुखदेवसिंह हत्याकांड की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन...

पार्ट टाइम नौकरी के नाम पर चूना लगाने वाली 100 वेबसाइट्स ब्लॉक

नई दिल्ली, 6 दिसंबर। साइबर अपराधों के बढ़ते दौर में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 100 ऐसी वेबसाइट्स को ब्लॉक कर दिया है, जो पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर ठगी कर रही थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यह एक्शन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने लिया है। जिसकी सिफारिश गृह मंत्रालय के तहत आने वाली नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिसिस यूनिट ने की थी। गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि यूनिट ने पिछले सप्ताह ऑर्गेनाइज्ड इन्वेस्टमेंट या टास्क बेस्ड पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाली 100 से ज्यादा वेबसाइट्स की पहचान की थी और इन्हें

बैन करने की सिफारिश की थी।

विदेश से किया जा रहा था इनका संचालन...

मंत्रालय ने बताया कि इन वेबसाइट्स का संचालन विदेशी कंपनियां कर रही थी। ये कंपनियां लोगों को चूना लगाने के लिए डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर आदि का इस्तेमाल कर रही थी। बयान के अनुसार यह भी पता चला है कि बड़े स्तर पर होने वाली आर्थिक धोखाधड़ी से होने वाली कमाई को कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी... **शेष पेज 3 पर**

पुलिस को सफलता, टीआई अंजान...

महिला के गले से झपटी चेन पुलिस ने की बरामद, आरोपी भी धराए ?

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में कई चेन स्नेचिंग घटनाएं हुई है। जिसमें लगभग आधी घटनाओं में खात्मा ही काट दिया गया है। जहां एक और लाडली बहना योजना से सरकार वापिस काबिज हुई। वहीं शहर में आए दिन होती चेन स्नेचिंग की घटनाओं से महिला सुरक्षा पर ही सवाल खडे हो रहे हैं। हाल ही में आचार संहिता में पुलिस के पहरे के दौरान जरुर घटनाओं पर लगाम लगी। चेन स्नेचरों के हौसलों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिन दहाडे वारदातों को अंजाम देते हैं। इधर पुलिस की निष्क्रीयता इसी बात से बयां होती है कि सीसीटीवी कैमरे में चोर या बदमाश आने के बाद भी पुलिस इनको पकड नहीं पा रही। जहां चेन स्नेचिंग की वारदातों में बदमाश कैद हुए तो कई बाइक चोरी की वारदातों में सीसीटीवी कैमरों ने चोरों को पकडा। हद तब होती है जब बाइक मालिक खुद सीसीटीवी फूटेज निकलवाकर पुलिस को देता है और चोरों को पकडने के लिए निवेदन करता है। खैर यहां एक चैन स्नेचिंग की वारदात में पुलिस को सफलता मिलने की जानकारी मिली है। हालांकि इस सफलता से शहर कोतवाली टीआई राकेश मोदी अंजान है।

इस मामले में पुलिस को मिली सफलता–21 सितंबर को गीता भवन इलाके में दिन दहाडे चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। कोठारी कॉलोनी में रहने वाली बुजुर्ग महिला लीला देवी पति बाबूलाल बाफना दोपहर के वक्त घर से अकेले पैदल मंदिर जा रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवकों ने बुजुर्ग महिला के गले से झपट्टा मार कर 20 ग्राम वजन की सोने की चेन खींचकर फरार हो गए थे। सूत्रों की माने तो पुलिस ने मुखबीर की सूचना और सायबर सेल की मदद से दबिश देकर संदिग्धों को पकडा। इनसे चेन भी बरामद कर ली है। इधर टीआई राकेश चौधरी ने बताया कि फिलहाल बदमाशों की तलाश की जा रही है। ऐसी कोई सफलता पुलिस के हाथ नहीं लगी है।

सरवन और सैलाना से जुडा मामला–जानकारी के अनुसार बदमाश सरवन, दानपुर क्षेत्र के है और उन्होंने चेन स्नेचिंग कर सैलाना के किसी सराफा व्यवसाई संघवी को बेच दी थी। सूत्रों के माने तो पुलिस ने चेन स्नेचरो और खरीदने वाले को हिरासत में ले लिया है।

कांग्रेस की हार के लिए संगठन प्रभारी जिम्मेदार..?

मंदसौर/उज्जैन, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हार तो हार होती है और बुरी तरह हारना जनमत में और भी बुरी छवि बनाती है। प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों के नतीजे आने के बाद कुछ ऐसी दयनीय स्थिति उस कांग्रेस की हो चुकी है। जिसके मुगालते देख कुछ एजेंसिया दावा कर रही थी कि 3 दिसंबर के बाद से भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी और 2024 में केंद्र में भी भाजपा की एनडीए सरकार उखड़ जाएगी। इसका आधार तो वर्तमान में हुए राज्यों के विधानसभा चुनाव ही थे। नतीजो के पहले तक इस बात में थोड़ा दम भी नजर आ रहा था। वैसे कम ही न्यूज़ चैनलों पर भाजपा की खिलाफत के समाचार दिखाएं जाते हैं। जबकि, यूट्यूब पर समाचारों को परोसने वालों ने तो भाजपा को नतीजे के पहले सभी पांचो राज्यों में कमजोर बताया था। खैर अब नतीजे आ चुके हैं और भाजपा टिड्डी दल की तरह पूरे देश भर में छा गई है। जीत के आंकड़ो ने कांग्रेस के बड़बोले नेताओं को तो घर के कोने में घुसेड़ दिया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के उत्तराधिकारी माने जाने वाले कड़े प्रतिद्वंदियों को गालियों के साथ जवाब देने वाले सज्जन वर्मा सोनकच्छ में युवा राजेश सोनकर से 23 हजार मतों से हारे हैं। दिग्विजय सिंह के दूसरे नंबर के करीबी जीतू पटवारी मुंहजोरी में यह तक कह गए अपने कार्यकर्ताओं से कि उन्हें मोदी सहित भारत सरकार हराने में लगी हुई है। फिर भी आप मेरे कार्यकर्ता है, इसलिए मुझे कोई नहीं हरा सकता है। पर मधु वर्मा की सादगी और जीतू जिराती के प्रबंधन ने कांग्रेस के कथित स्वयंभू राष्ट्रीय नेता को धूल चटा दी है। इंडियन नेशनल कांग्रेस संगठन के राष्ट्रीय नेता अब हमेशा की तरह समीक्षा बैठक करेंगे और अपनी सम्मानजनक सिर्फ चुनावी हार की समीक्षा करेंगे, यानी कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव में क्यों हारे बस। अगर कांग्रेस संगठन भाजपा की तरह प्रदेश प्रभारी से लेकर प्रदेश पदाधिकारियों और प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया की समीक्षा भी कर डाले तो स्पष्ट हो जाएगा कि खुद कांग्रेसियों ने ही चुनाव होने से पहले ही अपनी हर की इबादत लिख दी थी!

चन्द्रमोहन भगत

कांग्रेस का राष्ट्रीय संगठन ही देखे तो प्रमुख नाम में मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, रणदीप सुरजेवाला, अशोक गहलोत, सचिन पायलट आदि है। इनमें से केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और सुरजेवाला ने मुख्यालय जैसे कब्जा लिया है। ये आपस में पदस्थ होते रहते हैं और प्रभारी बनते रहते हैं। दिल्ली में बैठी ये तिकड़ी अपने हित साधने का कोई अवसर नहीं छोड़ती है भले ही कांग्रेस को नुकसान हो जाए, इनका नहीं होना चाहिए। प्रदेश चुनाव के प्रचार में कांग्रेस की छवि चमकाने का जिम्मा जिस दिनेश अरोरा की कंपनी डिजाइन बॉक्स को दिया गया था। वातावरण अनुकूल होने के बाद भी कांग्रेस का औंधे मुंह गिरना सभी ने देखा। यह भी विदित हो कि यही कंपनी विरोधियों के लिए काम करते हुए राहुल गांधी के साथ कांग्रेस को निपटने में भी अग्रणी रहती है। इसी कंपनी के सहारे जयराम रमेश अपनी छवि और राजनीति चमकाते हैं। और व्यवस्थापन संभालने वाले वेणुगोपाल उनकी कमियों को नजरअंदाज कर किसी न किसी राज्य का प्रभारी बनवाते रहते हैं। इन्हीं के रहते मध्य प्रदेश से जेपी अग्रवाल को हटाकर बनाए गए प्रभारी रणदीप सुरजेवाला हार की समीक्षा करने की बजाय अपनी मां को लेकर तीर्थ यात्रा पर निकल गए हैं।

कांग्रेसियों ने भी अब ये सवाल उठाने शुरू कर दिया है कि जब राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे जी जान से राज्यों के चुनाव में मेहनत कर रहे हैं। तब रणदीप सुरजेवाला समीक्षा छोड़कर तीर्थ यात्रा पर कैसे चले गए! अब सदस्यों ने यह प्रश्न भी उठाया है कि अपनी जमानत विधानसभा चुनाव में जप्त कराने वाले सूरजेवाला को किसकी सहमति या अनुमति से महासचिव बनाया गया है! मध्य प्रदेश के पहले के इनके प्रभार वाले राज्यों में भी कांग्रेस हार चुकी है। कर्नाटक में डीके शिवकुमार और खड़गे की मेहनत से कांग्रेस जीत पाई थी, इन्हें साइड में रखा गया था। मध्य प्रदेश में भी यह तब आए जब पूर्व प्रभारी जेपी अग्रवाल ने ब्लॉक और वार्ड स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से मिलकर जो रिपोर्ट बनाकर राहुल गांधी को देने के लिए तैयार की थी, उससे कमलनाथ की कमजोर पकड़ उजागर हो रही थी। तब तिकडी की मदद लेकर नाथ ने अग्रवाल की वापसी करा कर सुरजेवाला को दायित्व दिलाया था। कांग्रेस संगठन को अगर समीक्षा करना ही है तो इन गंभीर मुद्दों की समीक्षा पहले कर ले कि कैसे बार-बार हटाने के बाद मुख्य पदों पर सुरजेवाला को कौन पदस्थ कराता है। प्रवक्ता रहते भी इन्हें हटाया गया था फिर से महामंत्री पद से हटा दिए जाएंगे पर तिकडी वेणु गोपाल, जयराम रमेश और सुरजेवाला ने जो करना था, वह तो कर दिखाया। मध्य प्रदेश में नतीजा सबके सामने है।

विचार-मंथन

सुरक्षा के जरूरी इंतजाम न होने से बढ़ रहे हैं हादसे

सड़क हादसों पर काबू पाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। तमाम जागरूकता अभियानों, यातायात नियमों में कड़ाई, भारी जुर्माने के प्रावधान तथा सड़कों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी आदि की व्यवस्था के बावजूद हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं और उनमें घायल होने तथा मरने वालों की संख्या कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। आमतौर पर इसकी वजहों में तय सीमा से अधिक रफ्तार और नशे में वाहन चलाना, यातायात नियमों का पालन न करना माना जाता है। मगर खुद केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने इसका बड़ा कारण सड़कों को बनाने में गलत अभियांत्रिकी को माना है। भारतीय सड़क कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर वर्ष करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें करीब डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है और साढ़े तीन लाख लोग घायल हो जाते हैं। इस तरह देश के सकल घरेलू उत्पाद का तीन फीसद नुकसान होता है। दुर्घटनाग्रस्त होने वालों में आधे से अधिक पैंतीस साल से कम उम्र के युवा होते हैं। परिवहन मंत्री ने सम्मेलन में मौजूद इंजीनियरों से अपील की कि वे सड़क निर्माण में सही अभियांत्रिकी का उपयोग कर इस तरह देश के जन-धन के नुकसान को रोक सकते हैं। बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने की दृष्टि से सबसे अधिक सड़कों के निर्माण पर जोर दिया जाता है। इसमें तेज रफ्तार और भारी वाहनों को ध्यान में रखते हुए सड़कों के विस्तार की योजनाएं बनाई जाती हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों और 'एक्सप्रेस-वे' के निर्माण तथा विस्तार से यातायात की सुविधा बढ़ी है। लोगों के आवागमन और माल ढुलाई आदि में तेजी आई है। इस तरह काफी समय और पैसा बचने लगा है। मगर इन सड़कों पर तेज रफ्तार चलने की सुविधा के बरक्स सबसे अधिक दुर्घटनाएं भी इन्हीं मार्गों पर दर्ज होती हैं। लंबे समय से यह बात रेखांकित की जाती रही है कि राजमार्गों पर सुरक्षा के अपेक्षित इंतजाम न होने की वजह से हादसों में मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ रही है। अब खुद परिवहन मंत्री ने सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अभियांत्रिकी पर अंगुली रखी है, तो यह उनकी साफगोई और ईमानदारी ही कही जाएगी। उद्योगपति साइरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के वक्त भी उन्होंने रेखांकित किया था कि अगर सड़क बनाने में ठीक पैमाना अपनाया गया होता, तो वह दुर्घटना न होने पाती। दरअसल, उसमें देखा गया था कि सड़क एक जगह पहुंच कर अचानक संकरी हो जाती है, जिसमें तेज रफ्तार वाहनों को संभालना कठिन हो जाता है और वे सड़क के किनारे से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। ऐसी अनेक दुर्घटनाओं में देखा गया कि सड़कों की चौड़ाई समान न होने, मोड़ों पर उचित चौड़ाई और किनारों की उठान न होने, उनके किनारे समुचित सुरक्षा बाड़ न लगी होने या फिर उल्टी दिशा से गलत ढंग से वाहनों के प्रवेश पर रोक का इंतजाम न होने आदि की वजह से दुर्घटनाएं अधिक होती हैं। कई जगह निर्माण सामग्री की गुणवत्ता खराब होने से गड्ढे बन जाने या फिर सड़कों के समतल न होने की वजह से भी वाहनों का संतुलन बिगड़ता और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। छिपी बात नहीं है कि सड़क निर्माण में गड़बड़ियां या लापरवाहियां क्यों बरती जाती हैं। इसमें भ्रष्टाचार सबसे बड़ा कारण है। परिवहन मंत्री ने गलत अभियांत्रिकी को रेखांकित किया है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के रास्ते भी निकालेंगे।

साम्राज्यों की कब्रगाह अफगानिस्तान

-मनीष तिवारी

23 अक्तूबर 2023 को अफगानिस्तान ने हाल ही में संपन्न क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान को हरा दिया। दोनों पड़ोसियों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के एक ज्वलंत प्रदर्शन में, काबुल का आसमान आतिशबाजी से जगमगा रहा था क्योंकि युद्धग्रस्त देश ने अपने शत्रु पर अपनी जीत का जश्न मनाया। एक ऐसा देश जिसके बिना वह कुछ नहीं कर सकता, लेकिन जिससे हर स्वाभिमानी अफगान नागरिक नफरत करना पसंद करता है। अफगानिस्तान के कप्तान और मैन ऑफ द मैच हशमतुल्लाह शाहिदी ने पाकिस्तान पर मिली जीत को पाकिस्तान में मौजूद 17 लाख अफगान शरणार्थियों को समर्पित किया, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून और पुनर्वसन के सिद्धांत का घोर उल्लंघन कर पाकिस्तान से जबरन निर्वासित किया जा रहा है। यहां तक कि तालिबान, जिसने एक समय क्रिकेट पर प्रतिबंध लगा दिया था और सभी प्रकार के मनोरंजन पर आपत्ति जताई थी, ने उस टीम की भरपूर प्रशंसा की, भले ही वे जिस झंडे के नीचे खेलते हैं और जो राष्ट्रीय गान गाते हैं वह पूर्व अफगान गणराज्य का है। 16 अक्तूबर 2015 को पाकिस्तानी समाचार पत्र 'द नेशन' के लिए लिखते हुए लैफ्टिनैंट कर्नल खालिद मसूद खान (सेवानिवृत्त) ने रणनीतिक गहराई को परिभाषित किया, ''इस प्रकार, कुछ सैन्य रणनीतिकारों की राय में, अफगान क्षेत्र किसी भारतीय के मामले में पाकिस्तान को रणनीतिक गहराई प्रदान कर सकता है। जहां जरूरत के समय पाकिस्तानी सेना पीछे हट सकती है, पुनर्गठित हो सकती है और अपना संतुलन हासिल करने के बाद, कब्जे वाले क्षेत्रों से दुश्मन को बेदखल करने के लिए जवाबी हमले कर सकती है। इस संबंध में इलाके, जनसांख्यिकी और स्थिरता के कारक पाकिस्तान के लिए सबसे उपयुक्त हैं, बशर्ते अफगानिस्तान में राजनीतिक सरकार मित्रवत और सहायक हो। पाकिस्तान आज अपने दावे के करीब 17 लाख गैर-दस्तावेज अफगानी शरणार्थियों को बलपूर्वक बेदखल कर रहा है जो पाकिस्तान में बसे हुए हैं। यह तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टी.जे.पी.) जैसे चरमपंथी संगठन पर शासन करने में तालिबान शासन की विफलता के लिए पाकिस्तान द्वारा प्रतिशोध है, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की एक शाखा है जो 4 नवंबर 2023 को मियांवाली के एयरबेस में एम.एम. आलम पर हाल के हमले के लिए जिम्मेदार थी। पाकिस्तान का आरोप है कि टी.टी.पी. (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) मूल रूप से अफगानिस्तान से नियंत्रित है। अफगान तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा करने के तुरंत बाद पाकिस्तान में समूह के हमलों की गति बढ़ा दी गई। टी.टी.पी. पाकिस्तान पर बार-बार और अधिक दंडमुक्ति के साथ हमला करने में सक्षम है। पाकिस्तान ने मांग की कि अफगान तालिबान को पाकिस्तानी विद्रोहियों को निष्कासित करना होगा, या उनके आंदोलनों पर प्रतिबंध लगाना होगा। अपने दो दशकों के निर्वासन के दौरान पाकिस्तान की 'सनकी उदारता' के तहत चतुर अफगान तालिबान अब टी.टी.पी. और इस्लामाबाद के बीच शांति समझौते में मध्यस्थता के लिए चालाकी से भाग रहे हैं। नवंबर 2022 में वार्ता विफल हो गई और हमले और तेज हो गए। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच बुनियादी संघर्ष का पता 19वीं सदी के अंत में लगाया गया। ग्रेट गेम, ब्रिटिश-भारत और रूसी साम्राज्य के बीच प्रतिद्वंद्विता के दौरान अफगानिस्तान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंग्रेज किसी भी बाहरी खतरे से भयभीत थे जो भारत पर उनके प्रभुत्व को खतरे में डाल सकता था। अपने उत्तर-पश्चिमी हिस्से को मजबूत करने के लिए अंग्रेजों ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3 असफल युद्ध छेड़े। पहली लड़ाई 1839-42 तक, दूसरी लड़ाई 1878-80 तक और आखिरी लड़ाई 1919 में लड़ी गई। उन युद्धों के परिणामों में से एक अफगानिस्तान और ब्रिटिश-भारत के बीच प्रभाव क्षेत्रों की सीमा तय करने के लिए 2,670 किलोमीटर की सीमा डूरंड रेखा थी। यह ब्रिटिश भारतीय सरकार के विदेश सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर रहमान खान के बीच एक समझौते के परिणामस्वरूप 12 नवंबर 1893 को हुआ था। इस समझौते पर 12 नवंबर 1893 को काबुल में हस्ताक्षर किए गए। इस संधि के परिणामस्वरूप ऐतिहासिक पश्तून क्षेत्र का विभाजन हो गया, जिससे कलम के इस झटके के दोनों ओर प्राचीनता, संस्कृति और रक्त से घनिष्ठ रूप से जुड़े लोगों की भारी संख्या विस्थापित हो गई। 'डूरंड रेखा' ने बलूचिस्तान के संसाधन संपन्न प्रांत को तत्कालीन ब्रिटिश भारत में डाल दिया, जिससे अफगान राष्ट्र को अरब सागर तक उनकी प्राकृतिक पहुंच से वंचित कर दिया गया और इस प्रकार अफगानिस्तान एक भूमि से घिरे राज्य में बदल गया।1947 के बाद से किसी भी अफगान सरकार ने कभी भी डूरंड रेखा की वैधता को मान्यता नहीं दी है।

हमास और सीपीसी में है तगड़ी सांठ-गांठ

पश्चिम एशिया में इस समय इस्लामिक आतंकी संगठन हमास और इसराईल में जंग चल रही है। इस जंग ने पूरी दुनिया को 2 हिस्सों में बांट दिया है और ये दोनों हिस्से साफतौर पर दिखाई देने लगे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी दुनिया 2 हिस्सों में बंटी दिख रही थी लेकिन उस समय ये साफ नहीं था कि ये 2 हिस्से कौन से हैं। जो थोड़ा बहुत धुंधलापन पहले था वो हमास-इसराईल युद्ध के दौरान साफ हो गया। ऐसे में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति चीन इस्लामिक आतंकी संगठन हमास का साथ दे रहा है। हाल ही में यह बात मीडिया के सामने आई है जिसमें हमास का बड़ा नेता जो लेबनान की राजधानी बेरूत में रहता है उसने लेबनीज टी.वी. चैनल के साथ हुए एक साक्षात्कार में ये बातें बताईं। इससे सीधे तौर पर चीन की मंशा के बारे में पता चलता है कि वो किस हद तक बेताब है अपनी जड़ें पश्चिम एशिया में जमाने को, दरअसल इस समय पूरे पश्चिम एशिया और अरब प्रायद्वीप में अमरीका की 40 हजार से ज्यादा की फौज तैनात है, और चीन इस पूरे क्षेत्र से अमरीका को बेदखल कर अपने पांव जमाना चाह रहा है। दरअसल यह पूरा क्षेत्र जिसमें खाड़ी, पश्चिम एशिया और अरब प्रायद्वीप आते हैं ये रणनीतिक महत्व रखते हैं। दरअसल, ये क्षेत्र चीन के लिए यूरोप और अफ्रीकी महाद्वीप के पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी छोर तक पहुंचने का सबसे छोटा और आसान रास्ता है।

आत्मविश्वास बनाम अंधविश्वास...

प्रभात कुमार

हमेशा ऐसा माना जाता रहा कि कह नहीं सकते कि प्यार किसको, किससे, कब और कहां हो जाए। प्रेम दरअसल, रंग, कद, शक्ल नहीं देखता। प्रेमियों को जाति, क्षेत्र, जिला या देश नहीं दिखता। यह अनुभव, घटना या कहिए परिस्थिति खुली आंखों से भी नहीं दिखने वाली कही जाती है। आजकल जिसे प्यार कहते हैं, यह समायोजन है या संयोजन है, क्या है? इस बारे दिलचस्प गपशप हो सकती है। प्यार के दुश्मन कम नहीं, लेकिन शुभचिंतक भी हैं, समझाने वाले भी हैं। पहेलियां बनाने वाले हैं, तो बुझाने वाले भी हैं। पिछले दिनों प्रेम क्षेत्र में नए ज्योतिषीय निर्देशक उभर कर आए। उन्होंने सुझाया कि प्यार में पड़ने से पहले कुंडली दिखा लिया करें। विवाह तो सितारों के अनुसार पहले से सुनिश्चित होता है, यानी भाग्य से तय होना ही है। यह बात दीगर है कि वैवाहिक सामंजस्य और विच्छेद के माहिर सलाहकार भी यही मानते हैं कि शादी एक व्यवस्था है। प्रेम और संतुलन का हिलता-डुलता पुल है। इस पुल पर चलते रहने के लिए सद्भाव निरंतर थामे रखना होता है। संबंधों की देखभाल करनी होती है। वैवाहिक रिश्तों के बारे अनेक बातें रोज की जाती हैं। बहुमूल्य सुझाव दिए जाते हैं। यह मत करो, वह करो, ऐसा न करें, वैसा तो बिल्कुल न करें, ताकि शादी सफल और सुफल रहे। समझदारों द्वारा जन्म कुंडलियों का वांछित, उचित गुण मिलान करने के बाद भी पत्नी-पति के बीच पंगे-अड़ंगे, झगड़े-तकरार और इनकार-विकार बरकरार हैं। प्यारे बच्चे हैं। कुछ दंपति एक दूसरे के विरुद्ध मोर्चे की तरह जीते हैं। अकेले रहने के बारे सोचते रहते हैं, लेकिन कितने ही पूरे साल साथ रह रहे होते हैं। प्रचारक ज्योतिषियों का कहना है कि प्यार कुंडली को मानकर, समझ-बूझ, जान कर करें, क्योंकि शादी किस्मत के मुताबिक ही होनी है। अपने व्यवसाय का प्रचार करते हुए कहते हैं कि शादी के दो साल बाद तक की परिस्थितियों में कौन-सी तारीख, मुहूर्त अहम है, वे पहले बता देंगे। इससे लोग विवाह के बाद के बदलाव स्वीकार करने के लिए तैयार हो सकते हैं। पहले से ही तय कर सकेंगे कि आपस में कैसा व्यवहार और बदलाव करना है। ज्योतिष पूरी दुनिया में है। दुनिया भर में अपने अपने विश्वास, अंधविश्वास, टोने-टोटके हैं। प्रसिद्ध लोग भी कहते हुए पाए जाते हैं कि इससे उन्हें फायदा होता है। विदेशों में भी यह प्रचलन बढ़ रहा है। क्या वहां भी जिंदगी में टहल रही परेशानियों के कारण, सुरक्षा घेरा बनाने के लिए, भविष्य में होने वाली अप्रिय घटनाओं या दुर्घटनाओं से बचने के लिए ऐसा किया जा रहा है? दरअसल, जिंदगी खुशनुमा रास्तों से दुखनुमा गलियों में आ रही है। विकास विनाश को साथ लाया है। पश्चिमी देशों में तो वैवाहिक रिश्ते टिकना चुनौती रही। अब तो हमारे यहां भी इन्हें दुर्घटना माना जाने लगा है। हमारे समाज में भौतिक विकास के साथ विदेशी दृष्टिकोण उग रहे हैं। शायद उन्हीं से बचने के लिए भारतीय संस्कृति के अंग ज्योतिष की मदद ली जा रही है। सवाल है कि क्या हमारे समाज में बनाए जा रहे वैवाहिक रिश्ते, ज्योतिषीय सलाह और उपायों से सचमुच लाभान्वित और स्थायी होते रहे हैं। सच यह है कि वर्तमान जीवन शैली में घर चलाने के लिए पति-पत्नी दोनों को काम करना पड़ रहा है। सक्षम लड़कियां शादी के बाद अपने लिए जगह और वक्त चाहती हैं। आपसी नोकझोंक, परेशानियां और तनाव में इजाफा हो रहा है। बहुत मामलों में दोनों चुपचाप अपने अपने शांत रास्ते अख्तियार कर रहे हैं, क्योंकि दोनों को एक दूसरे की जरूरत भी है। अकेले रहने की दुश्वारियां ज्यादा चुनौतीपूर्ण हैं। खासतौर पर महिलाओं के लिए। कुछ विवाहित संतान पैदा नहीं करना चाहते। व्यावसायिक स्तर पर विवाह संस्था खतरे में तो है, हालांकि अभिभावक यही चाहते हैं कि किसी तरह उनके बच्चों की शादी सुलटी रहे, ताकि उनकी अपनी जिंदगी भी सहज रहे। अगर काफी कुछ संभावित परिस्थितियां और घटनाएं ज्योतिषी पहले बता देगा, वार्षिक फल में मासिक विवरण भी उपलब्ध करवा देगा तो क्या विवाह करने जा रहे भावी पत्नी-पति का आत्मविश्वास कम नहीं होगा? उन्हें तो जरा-जरा सी बात के लिए खास दिन, मुहूर्त पर निर्भर रहना होगा! खुद ज्योतिष आता नहीं, तो दूसरों के निरंतर संपर्क में रहना होगा। जिंदगी की स्वाभाविक परेशानियों और आकस्मिक दुखों को झेलने, निबटने की नैसर्गिक शक्ति कमजोर हो जाएगी।

जलवायु संकट के लिए मुख्य रूप से विकसित देश जिम्मेदार

दुनिया भर में बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन को लेकर पिछले कई वर्ष से लगातार चिंता जताई जा रही है। अब इसकी वजहें स्पष्ट हैं। मगर मुश्किल यह है कि जब भी उन वजहों को दूर करने की बात आती है, तो विकसित देश अपनी भूमिका को कम करके पेश करते हैं और इसके हल के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लागू करने की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर थोप देते हैं। जबकि समूची धरती पर जलवायु संकट जिस स्तर तक गहरा हो चुका है, उसमें मुख्य रूप से विकसित देशों की जिम्मेदारी रही है। इसके बावजूद इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हर बैठक या सम्मेलन में तीसरी दुनिया के या विकासशील देशों ने समस्या के समाधान को लेकर अपेक्षित गंभीरता दिखाई है, उसमें अपनी ओर से हर संभव योगदान किया है। इसी को इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने विकास देशों को अपेक्षित जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी संबंधी हस्तांतरण सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस पर गौर किया जाना चाहिए कि इन देशों ने जलवायु संकट बढ़ाने में कोई योगदान नहीं किया है, इसके बावजूद वे इसके समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। दरअसल, सीओपी28 में भाग लेने दुबई गए प्रधानमंत्री ने एक तरह से जलवायु संकट पर विकासशील देशों के सामूहिक रुख को प्रतिनिधि स्वर दिया है। सच यह है कि बढ़ते तापमान और उसकी वजह से पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्या के पीछे विकसित देशों की ही भूमिका ज्यादा है। खासकर कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन को लेकर दुनिया भर में विशेष उपायों को अपनाने या लागू करने पर जोर दिया जाता है। इस समस्या के बढ़ने में अपनी बहुत बड़ी जिम्मेदारी न होने के बावजूद कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर जब भी कोई मानक तय किया गया, उस पर अमल के लिए विकासशील देशों ने अपनी ओर से हर संभव उपाय किए, सरोकार जताया, जबकि विकसित देशों ने अलग-अलग कारण बता कर इसमें भागीदारी निभाने को लेकर टालमटोल ही किया।कई बार ऐसे मौके आए जब विकासशील देशों को आर्थिक सहायता मुहैया कराने के मामले में पर्यावरण असंतुलन को कसौटी बनाया गया। इसे रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने भी कहा कि जलवायु वित्तपोषण पर प्रगति इस मसले पर जरूरी कार्रवाई पर बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप दिखनी चाहिए। यह किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है, जिससे निपटने के लिए एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। जहां तक भारत का सवाल है, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण, वनीकरण जैसे कई क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां इसकी प्रतिबद्धता का सबूत हैं। यह सब दरअसल जलवायु संकट या बढ़ते तापमान की समस्या को दूर करने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य से उठाए गए कदम हैं। भारत के अलावा भी विकासशील देशों ने अपनी सीमा में इस मसले पर योगदान दिया है, ताकि इस वैश्विक चिंता से निपटने में मदद मिल सके। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि बढ़ते तापमान को एक सबसे बड़े संकट के रूप में पेश करने वाले विकसित देश अपने यहां कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने या कम करने को लेकर ईमानदार पहल क्यों नहीं करते। जरूरत इस बात की है कि जिन विकासशील देशों में इस समस्या के हल को लेकर अपेक्षित गंभीरता दर्शायी जा रही है, उन्हें वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाए। मगर जलवायु संकट में कमी तब तक संभव नहीं है, जब तक विकसित देश इस दिशा में जरूरी इच्छाशक्ति के साथ काम न करें।

आज का राशिफल

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5077

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5076

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5077

संकेत: बाएं से दाएं
1. मुगल सम्राट जहांगीर की पत्नी का जन्मदिन 31 मई 1577 है जिनका मूल नाम मेहरुन्निसा था (4)
5. पुराणानुसार अयोध्या नगरी को यह भी कहते थे, यह मैथिलीशरण गुप्त रचित महाकाव्य है जिसका प्रथम प्रकाशन 1931 में हुआ था (3)
8. उपद्रव, उत्पात, हलचल (4)
9. बालचंद्र, नवचंद्र, नया चांद (4)
10. जगमगाहट, प्रकाश (3)
11. मन, देवताओं की स्थिति या अवस्था, देवगति, आकाश (2)
12. पंजाब की पांच नदियों में से एक जिस पर भाखड़ा नांगल बांध बना है (4)
13. अभिनेता, ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में अमोल पालेकर, बिंदिया गोस्वामी, उत्पल दत्त की एक स्वस्थ हास्य फिल्म (4)
16. अन्न पिसा हुआ (2)
17. यज्ञ करने या कराने वाला (3)
19. गर्व, घमंड, दर्प (2)
21. अद्वैत, गैलरी (2)
22. वे प्राणी जो पृथ्वी पर निवसित होते हो
23. बहादुरी, पराक्रमी (3)

ऊपर से नीचे
1. मधु (3)
2. दयालु, कृपालु (3)
3. प्रेम अनुभूति, हुलास, पागलपन (3)
4. खरोंच, खोंप, डंकमारा, पशुपालक (2)
5. पुरानी फिल्मों के गीतकार (4)
6. भगवान के भोग के निमित्त जाने वाले फलों में प्रमुख फल, कदली (2)
7. इच्छा, मांगना, ख्वाहिश (3)
11. पुत्र, बेटा (2)
12. पूर्वज, बहुत पुराने लोग (3)
13. गोपियों के स्वामी होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम यह भी है (4)
14. माता का भाई, मातुल (2)
15. देहपात, मकला (2)
18. अंतरात्मा, अंतःकरण, कलाहीन (3)
20. पानी, आब, पंचतत्वों में से एक (2)

वर्ग पहेली 5076 का हल

नो	बा			बा	ग्ला	दे	श
व	र	ना		बु		हा	ल
र्दे		म	दा	री		त	ज
न	मा	ज			अ		म
	म	द	र	इ	डि	या	
बा	ल		झा		ग	या	ना
व		सी	फ	र		द	ह
र		ना	र		वा	र	क

अंगोला शर्ट में दिखने लगे पुलिस वाले

आधे मार्च तक रहेगी पुलिस वालों की ठंड

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस वालों की शर्ट का कलर इन दिनो थोड़ा गहरा लग रहा है। इसका कारण है पुलिस वालों की सर्दी। यह बहुत कम लोगों को पता होगा कि पुलिस रेगुलेशन एक्ट में 15 नवंबर से ठंड मान ली जाती है। इस दौरान पुलिसकर्मियों को एक्ट के तहत चार माह यानी 15 मार्च तक अंगोला शर्ट पहनना पड़ता है। यह भी है कि अगर ठंड पहले शुरु हो जाए तो अंगोला शर्ट की इजाजत पुलिस मुख्यालय पहले भी दे सकता है।

दिसंबर की ठंड में जहां आम लोग स्वेटर और जैकेट पहने नजर आ रहे हैं तो वहीं पुलिसकर्मी एक अलग ही तरह की वर्दी में। इसे अंगोला शर्ट कहा जाता है, जो पुलिस कर्मियों को ठंड से राहत देता है। दरअसल यह बहुत कम लोगों को पता होगा कि पुलिस रेगुलेशन एक्ट में 15 नवंबर से ठंड मान ली जाती है। इस दौरान पुलिसकर्मियों को एक्ट के तहत चार माह यानी 15 मार्च तक अंगोला शर्ट पहनना पडती है। वर्तमान में जिले के सभी पुलिसकर्मी इसी वर्दी में दिखाई दे रहे हैं।

1961 में बना था अंगोला शर्ट का नियम...

आजादी के बाद 1961 में बने पुलिस रेगुलेशन एक्ट का पालन आज भी पुलिसकर्मियों को करना पड़ रहा है। इस एक्ट के द्वारा 15 नवंबर से ठंड मान ली जाती है। इसके साथ अगले चार महीने तक पुलिस अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों को गर्म तरह की अंगोला शर्ट पहनना जरूरी है। यदि एक्ट के तहत नियमों का पालन नहीं किया जाता है तो वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सजा देने तक का प्रावधान है।

फरवरी-मार्च में आती है दिक्कत...

फिलहाल अच्छी ठंड पड़ रही है तो पुलिसकर्मियों को अंगोला से राहत मिल रही है। फरवरी-मार्च में जब तापमान बढ़ता है तो दिक्कत आती है। उस वक्त दिन का तापमान 30 डिग्री तक पहुंच जाता है। ऐसे में आम लोग तो सामान्य कपड़े पहनकर घूमते हैं, लेकिन पुलिसकर्मियों को गर्मी लगने के बावजूद अंगोला पहनना पडता है।

सामान्य शर्ट पर वर्दी का स्वेटर पहनना जरूरी...

एक्ट के मुताबिक इन चार माह में अगर कोई पुलिसकर्मी सामान्य दिनों की तरह वर्दी की शर्ट पहनना चाहता है तो उनको शर्ट के ऊपर वर्दी का स्वेटर पहनना जरूरी है। सामान्यतया पुलिसकर्मी शर्ट को हाफ तक फोल्ड कर लेते हैं, लेकिन इन चार माह में अंगोला शर्ट की आस्तीन को फोल्ड नहीं कर सकते।

बिन्दोली में जाकेट खींचने के बाद मारपीट, 4 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 6 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। बिन्दोली में जाकेट खिंचने को लेकर हुए विवाद में मारपीट करने वाले 4 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। नारायणगढ थाने पर हेमन्त उर्फ कुणाल पिता सुरेश शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई कि मैं बबलू यादव की बिन्दोली में गया था। मैंने राजेश भास्कर से बोला यह जाकेट बदल ले, इस दौरान राजेश ने जाकेट पकडकर खिंच दिया और गाली-गलौज करने लगा, मैंने विरोध किया तो राजेश के साथ ही ललित ग्वाला, महेन्द्रसिंह व आकाश ग्वाला भी आ गए और गाली-गलौज कर बुरी तरह मारपीट की। जिससे सिर व आंख के पास चोंट आई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

17 से 23 दिसंबर तक श्री रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का आयोजन

महामंडलेश्वर महर्षि उत्तम स्वामी जी करेंगे कथा प्रवचन, काबरा एवं गर्ग केडिया परिवार होंगे लाभार्थी, बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी 17 से 23 दिसंबर तक रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन नयापुरा रोड पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का भव्य आयोजन होगा जिसमें व्यास पीठ पर विराजित होकर महामंडलेश्वर पूज्य श्री श्री महर्षि उत्तम स्वामीजी कथा प्रवचन करेंगे। नगर के तीन सेवाभावी परिवार श्री प्रहलाद रामगोपाल काबरा, श्री सत्यनारायण सालिगराम गर्ग एव श्री प्रहलाद कुंदन्मल गर्ग केडिया परिवार द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है।

इस भव्य आयोजन की तैयारी को लेकर गत दिवस माहेश्वरी भवन में एक वृहद बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें नगर के गणमान्य जन एवं मातृशक्ति बडी संख्या में सम्मिलित हुए। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक दशरथ सिंह झाला ने कहा कि नगर वासियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि महर्षि उत्तम स्वामी जी के मुखारविंद से कथा श्रवण का लाभ हम सबको प्राप्त होगा आपने कहा कि इतनी बडी संख्या में इस बैठक में उपस्थिति को देखकर इस भव्य कथा महोत्सव की सफलता में अब कोई संदेह नहीं लेकिन हमें सफलता के साथ-साथ नई पीढी को कथा के तत्वों का ज्ञान हो और वह अपने जीवन में उन्हें गृहण करें इसलिए सफलता के साथ-साथ कथा की सार्थकता होना भी आवश्यक है। बैठक में श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित शिवकरण प्रधान ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए नगर के सभी वर्गों से इस महोत्सव में सम्मिलित होने का अनुरोध किया। किन्नर गुरु अनिता दीदी ने उपस्थित मातृशक्ति से पोथी एवं कलश यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आव्हान किया। सेवा भारती के प्रमुख चेनराम जैन ने भी आयोजन के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि बहुत सौभाग्य के क्षण होते हैं जब ऐसे महापुरुष का नगर में आगमन होता है हम सभी को उनकी कथा श्रवण का लाभ लेना चाहिए। आयोजक परिवारों की ओर से हरीश गर्ग ने समस्त नगर एवं अंचल के धर्मालुजनो से कथा श्रवण का लाभ लेने का आग्रह किया।लाभार्थी परिवार के श्री प्रहलाद काबरा,जगदीश गर्ग ,पियूष गर्ग भी मंचासीन थे। बैठक के आरंभ में समाजसेवी नरेंद्र अग्रवाल ने श्रीमद् भागवत कथा आयोजन की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए शुभारंभ दिवस पर पोथी यात्रा एवं शोभायात्रा के स्वरूप की जानकारी दी। श्री अग्रवाल ने बताया कि 1100 महिलाएं अपने सर पर कलश धारण कर शोभायात्रा में सम्मिलित होगी। कलश यात्रा चारभुजा नाथ मंदिर बडा चौक से आरंभ होगी और नयापुरा माहेश्वरी धर्मशाला में समाप्त होकर यहां प्रथम दिवस कथा का शुभारंभ होगा प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से 5:00 बजे तक कथा का समय रहेगा। वरिष्ठ पत्रकार संजय लोढा ने महर्षि उत्तम स्वामी जी का परिचय बैठक में सभी के समक्ष प्रस्तुत किया और बताया कि वह धर्म अध्यात्म और अपनी उपासना के परम साधक हैं भविष्यवक्ता होने के साथ ही परम तत्व के ज्ञानी भी है। बैठक में सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, सकल जैन समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र मेहता, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री महेश सोमानी ,पूज्य सिंधी भाई बंध पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, कारुलाल सोनी,सत्यनारायण सोमानी विनोद मेहता, पं. अशोक त्रिपाठी, राजेंद्र अग्रवाल, विनोद गर्ग आदि ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में बडी संख्या में उपस्थित महिला मंडल की प्रतिनिधि के रूप में गर्ग परिवार की ओर से रितु रमेश गर्ग, श्रीमती जमना बाफना,निशा कुमावत, वंदना भावसार, आरती दवे,रानी सिंहल, भारती अग्रवाल, अंजू तिवारी, राखी नाहर, बीना गर्ग, पार्षद प्रमिला गोयल, हंसा पारीख आदि ने भी बैठक में संबोधन देकर अपने सुझाव दिए। बैठक में श्रीमद् भागवत कथा के फोल्डर का विमोचन मंचस्थ अतिथियों एवं परिवारजनों किया। बैठक का संचालन वरिष्ठपत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया आभार प्रदर्शन आयोजन परिवार के प्रहलाद काबरा ने माना।

उद्यानिकी महाविद्यालय में हुआ युवा उत्सव का शुभारंभ

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर में अंतर महाविद्यालयीन युवा उत्सव उमंग 2023-24 का बुधवार को शुभारंभ हुआ।

इस युवा उत्सव में राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्व विद्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत आने वाले कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर, कृषि महाविद्यालय इंदौर, कृषि महाविद्यालय सीहोर, कृषि महाविद्यालय खण्डवा एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की है। पहली बार युवा उत्सव की मेजबानी पाने वाले उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी.के. शर्मा, भूतपूर्व कुलपति, जम्मू कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय नें विद्यार्थीयों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ने का आव्हान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों की मांग पर हास्य व्यंग्य से भरपूर स्वरचित कविताएं सुनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार शुक्ला, कुलपति राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने विद्यार्थियों को धर्म, क्षेत्र एवं जाति से दूर रहते हुए विश्व बंधुत्व की भावना को अपनाते हुए एकात्मता का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने स्वरचित हास्य कविता भी सुनाई जिसे उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, हिमाचल प्रदेश, कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने छात्रों को अनुशासन का महत्व बताया। कार्यक्रम की विशेष अतिथि डॉ. उम्रा अग्रवाल, प्राचार्य, संगीत महाविद्यालय, मंदसौर थी। कार्यक्रम के आयोजक उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के अधिष्ठाता, डॉ. ईन्दर सिंह तोमर ने महाविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। युवा उत्सव के सांस्कृतिक संयोजक, डॉ. रोशन गलानी ने उत्सव की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। युवा उत्सव में पहले दिन साहित्य एवं ललित कला से जुडी गतिविधियां सम्पन्न कराई गई। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. रूपेश चतुर्वेदी ने किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी, डॉ. अंकित पाण्डेय ने दी।

डॉ.भीमराव अंबेडकर को भाजपा ने किये श्रद्धा सुमन अर्पित

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आज बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर भाजपा के संगठन पदाधिकारी एंव जनप्रतिनिधिगणों ने अंबेडकर चौराहा स्थित बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, नपा अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर, भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, मोर्चा महामंत्री बंटी चौहान, अजीजुल्लाह खॉन, मंडल महामंत्री रॉकी यादव, भाजपा वरिष्ठनेता योगेश गुप्ता, शांतिलाल मालवीय, आशीष गौड, सुनीता भावसार, ईश्वर चौहान, बाबा पंचोली, राजाराम तंवर, सुनील योगी, दीपक बैरागी, अरूण भावसार, नितिन कोठारी, कुलदीप सिंह सिसोदिया, जुझारसिंह गायरी, रितेश गुप्ता, सुयश राठौर सहित पदाधिकारी एंव कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर नीमच में सैनिक कल्याण सहयोग राशि संग्रहण के लिए रैली आज

नीमच, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर सैनिकों के कल्याण के लिए आज 7 दिसम्बर 2023 को नीमच शहर में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, भूतपूर्व सैनिकों, अधिकारी, कर्मचारियों के सहयोग से वृहद रैली का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन 7 दिसम्बर 2023 को दोपहर 2 बजे डाक बंगला चौराहा नीमच से इस रैली का शुभारंभ करेंगे। यह वृहद रैली डाक बंगला चौराहा मनासा रोड नीमच से प्रारंभ होकर मैशी शोरूम, हॉस्पिटल चौराहा, स्वर्णकार चौराहा, जिला न्यायालय, बस स्टैण्ड, फव्वारा चौक, बोहरा पेट्रोल पम्प, बारादरी, भोजू चौराहा, घंटाघर, बोहरा गली, कार्नर, ज्ञान मंदिर के सामने चौपडा गणेश मंदिर, नगरपालिका नीमच, विजय टॉकिज चौराहा, होते हुए भारत माता चौराहे पर आकर रैली का समापन होगा।

इस रैली के दौरान विभिन्न, स्थानों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, अधिकारी, कर्मचारी संगठनों, मित्र मण्डलों व्दारा रैली का स्वागत कर जाबाज सैनिकों उनके आश्रितों के कल्याण के लिए आर्थिक सहयोग राशि भेंट की जावेगी। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जिले की सभी स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिकारी, कर्मचारियों, आम नागरिकों आदि सभी से सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर आयोजित इस रैली में भाग लेकर रैली को सफल बनाने एवं सैनिकों के कल्याण के लिए मुक्तहस्त से सहयोग राशि जमा करवाने की अपील की है।

खिली धूप, ठिठुरन हुई कम

लूनाहेड़ा, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंचल में पिछले दिनों हुई मावठे की बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी। वहीं मावठे की बारिश से खेतों में खडी फसलों को फायदा हुआ। मौसम में ठंडक घुलने से लोगों की दिनचर्या भी बदल गई। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से आसमान में बादलों की आवाजाही के चलते धुप नहीं खिली ओर मौसम ठंडा रहा साथ ही शीत हवाओं ने लोगों को झंकझोर कर दिया। बुधवार को आसमान में बादलों की कमी हुई तो धुप निकल आई। इससे सुबह से लेकर शाम तक बडे बुजुर्ग लोग चौराहे पर धुप लेते नजर आए वहीं महिलाओं ने भी निंदाई गुडाई कार्य के लिए खेतों की ओर रुख किया।

डॉ. अम्बेडकर दलितों-शोषितों के सच्चे महानायक थे-विधायक जैन

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर डॉ. अम्बेडकर चौराहा पर शहर कांग्रेस मन्दसौर व अजा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मंदसौर विधायक व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल, जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में संविधान की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। वर्तमान में जो शक्तियां संविधान को कमजोर करने में लगी हुई है उनसे हम सबको जमीनी स्तर पर लडाई लडने की आवश्यकता है। डॉ. अम्बेडकर की सामाजिक व राजनीतिक सुधारक के रूप में विरासत का आधुनिक भारत पर गहरा असर हुआ है। वे दलितों-शोषितों के सच्चे महानायक के रूप में जाने जाते है। पूर्व विधायक श्री पाटील ने कहा कि बाबा साहब ने हिन्दू पंथ में व्याप्त कुरूतियों और छूआछत की प्रथा से मुक्ति दिलाने का सार्थक कार्य किया। भारत के नव निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री रातडिया ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने हमेशा राजनीतिक अधिकारों की वकालात करते हुए दलितों, पिछडों और अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्तियों के उत्थान के लिये कार्य किया। अम्बेडकर एक बुद्धिमान संविधान विशेषज्ञ रहे। श्री अम्बेडकर ने समाज में सामाजिक क्रांति का उद्घोष किया।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के पदाधिकारिगण में सर्वश्री सुरेश भाटी,लक्ष्मण मेघनानी, बबीतासिंह तोमर,इष्ट भाचावत, वहीद जैदी,निर्मल बसेर, विजयसिंह सिसोदिया, हाजी रशीद खान, कमलेश सोनी लाला, विश्वास दुबे, साबिर इलेक्ट्रीशियन, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा, सेवादल जिलाध्यक्ष दिलीप देवडा, अजजा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रमेश सिंगार, आई.टी. सेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष योगेन्द्र गौड, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष घनश्याम कुमावत, मण्डलम अध्यक्ष दशरथसिंह राठौर, अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, शुभम कामराज, चन्द्रशेखर अहिरवार, जगदीश जटिया, कचरमल जटिया, सादीक गौरी, वर्षा सांखला, शिवशंकर सौलंकी, कन्हैयालाल कमलवा, रियाज एहमद, सरताज अली, घनश्याम चौहान, राहुल अहीरवार, सुनील गुप्ता, दिनेश नाई, संजय बारोट, महेश रत्नावत, भंवरलाल कुमावत, राहुल खोखर, मुबारिक हुसैन, रामस्वरूप अहिरवार आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने किया एवं आभार अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप सलोद ने माना। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने दी।

सैनिकों के कल्याण के लिए आर्थिक सहयोग के प्रति जिले में अपार उत्साह

नीमच, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिको एवं उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कलेक्टर श्री दिनेश जैन के आव्हान पर जिले के नागरिको, अधिकारी-कर्मचारियों एवं विभिन्न स्वयंसेवी संगठनो, प्रेस एवं मीडिया जगत, सामाजिक संगठनों, व्यवसाईयों में आर्थिक सहयोग के प्रति अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री राहुल जैन मालव दर्शन नीमच, वरिष्ठपत्रकार श्री मुस्तफा हुसैन, श्री राजेश भण्डारी, श्री हेमेन्द्र शर्मा, श्री राकेश मालवीय एवं प्रेस क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कलेक्टर श्री दिनेश जैन से भेंटकर, उन्हें सैनिक कल्याीण कोष के लिए 27 हजार एक सौ रूपये, की राशि भेंट की। नीमच जिला प्रेस क्लब के जिला अध्यिक्ष श्री श्याम गुर्जर व्दारा भी सैनिक कल्याारण के लिए बुधवार को 5 हजार रूपये की राशि कलेक्टर को भेंट की गई।

सैनिक कल्याएण के लिए आर्थिक सहयोग के इस क्रम में नीमच जिला पटवारी संघ के श्री घनश्याम पाण्डेव एवं अन्य पटवारीगणों व्दारा भी एक लाख 51 हजार रूपये की राशि जमा कर, सूची एवं चेक बुधवार को कलेक्टंर श्री जैन को भेंट किया। शिक्षा विभाग के तहत जिले में संचालित विभिन्न शासकीय एवं निजी विद्यालयों की ओर से ए.डी.पी.सी.श्री प्रलय उपाध्याय ने निजी स्कूल संचालकों के साथ बुधवार को 9 लाख रूपये की राशि सैनिक कल्याण कोष में जमा करवाकर, सूची एवं रसीद कलेक्टर को भेंट की गई। इस मौके पर एडीएम सुश्री नेहा मीना, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश मालवीय एवं अन्य अधिकारी, पत्रकारगण, पटवारीगण, एवं स्कूल संचालक उपस्थित थे।

सभी शस्त्र लायसेंस निलंबन से बहाल

नीमच, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता समाप्त2 हो गई है। अत: कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा आयुद्ध अनिनियम 1959 की धारा 17 के तहत सम्पूर्ण जिले की सीमा में निलम्बित किए गऐ समस्त शस्त्र लायसेंस धारियों के शस्त्र लायसेंस निलम्बन से बहाल करने का आदेश जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है, कि कलेक्टंर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीमच व्दारा दिनांक 9 अक्टूबर 2023 को आयुद्ध अधिनियम के तहत आदेश जारी कर, सर्म्पूण जिलें की सीमा में समस्तं लायसेंस धारियों के शस्त्र लायसेंस निलम्बित कर समस्त लायसेंस, दर्ज शस्त्र सहित संबंधित थानों में जमा करने के आदेश जारी किए गए थे। जिन्हें अब वापस लौटाने के आदेश संबंधित सभी थाना प्रभारियों को दिया गया है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	263	2091	2222
उडद	70	4900	8400
सोयाबीन	5000	4500	4900
गैहु	2001	2500	3090
चना	67	5100	5600
मसुर	160	5200	6001
धनिया	279	6201	7861
लहसुन	11000	11000	23001
मैथी	554	5340	6500
अलसी	3000	5010	5231
सरसो	715	5001	5322
तारामीरा	1	4704	4704
इसबगोल	10	15500	19481
प्याज	5000	681	3521
कलोंजी	63	8401	17052
डॉलर	10	5100	13001
तिल्ली	1	16051	16051
मटरसुखी	15	2300	3352
असालीया	50	10601	11450

पार्ट टाइम नौकरी के नाम पर... पेज 1 से जारी

और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों का इस्तेमाल करते हुए देश के बाहर भेजा गया था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन के जरिए धोखाधडी के ऐसे मामलों की कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। मंत्रालय ने कहा कि ये अपराध नागरिकों के लिए खतरा बन रहे थे और इनसे डाटा सुरक्षा पर भी संकट बन रहा था।

इस तरह लोगों को फंसाती हैं ये वेबसाइटस–इस तरह के फ्रॉड की शुरुआत आम तौर पर गूगल और मेटा जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 'घर बैठे जॉब और 'घर बैठे कमाई कैसे करें जैसे कीवर्ड के साथ डिजिटल विज्ञापनों के जरिए की जा रही थी। इनका निशाना रिटायर हो चुके कर्मचारी, महिलाएं और पार्ट टाइम नौकरी ढूंढ रहे बेरोजगार युवा होते हैं।

जब कोई यूजर ऐसे विज्ञापन पर क्लिक करता है तो एक एजेंट व्हाटसएप या टेलीग्राम जैसे मैसेंजर एप्स के जरिए उससे बात करना शुरू करता है। यह एजेंट यूजर को वीडियो लाइक करने और चैनल सब्स्क्राइब करने या मैप पर रेटिंग देने जैसे आसान काम करने के लिए राजी करता है। जब यूजर यह काम पूरा कर देता है तो शुरुआत में उसे कुछ कमीशन दिया जाता है, लेकिन साथ ही ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर उसे निवेश करने के लिए कहा जाता है। शुरुआत में पैसे मिलने की वजह से यूजर को भी इस पर भरोसा हो जाता है और जैसे ही वह बड़ा निवेश करता है एजेंट गायब हो जाता है। बयान में कहा गया है कि साइबर सुरक्षित भारत केंद्रीय गृह मंत्रालय की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

क्रमांक 3226/नामांतरण / 2023

नामातंरण विज्ञप्ति

मन्दसौर दिनांक 06.12.2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों / भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	1864x7/2023	सुदामा नगर1	38	म.नं.24 (33)	लीलाबाई पति चांदमल खटीक	लीलाबाई पति चांदमल खटीक	धापूकुंवर पति सुरपालसिंह पंवार	विक्रय पत्र
2	1865x7/2023	एलएन बसेर सीटी	04	प्लांट नं. 97	विशाल पिता बालकृष्ण बसेर व आदि	1. विशाल पिता बालकृष्ण 2.छाया पति बालकृष्ण बसेर	पुष्पा पति कृष्णकुमार बसेर	विक्रय पत्र
3	1866x7/2023	यश नगर संजीत रोड	40	प्लांट नं. 56	बलदेव पति दुलीचंद फूंकवाल	बलदेव पति दुलीचंद फूंकवाल	परमेश्वर पिता स्व. बलदेव फूंकवाल	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
4	1867x7/2023	मीरा कालोनी	14	म.नं. 43	नाम दर्ज नहीं	कृष्णबिहारी पिता कन्हैयालाल उपाध्याय	उषाकुंवर पति सज्जनसिंह	विक्रय पत्र
5	1869x7/2023	कर्मचारी कालोनी	39	प्लांट नं. 65	दिलीप पिता मदनलाल मोर्य	दिलीप पिता मदनलाल मोर्य	मंजुला पति रमेशचंद्र पोरवाल	विक्रय पत्र
6	1870x7/2023	सिद्धचक्र विहार-ए	22	म.नं. ए-06	फूलचंद पिता नारायण देतवार	फूलचंद पिता नारायण देतवार	राजेशकुमार पिता जगदीशचंद्र त्रिवेदी	विक्रय पत्र
7	1871x7/2023	ऋषभ विहार	21	प्लांट नं. 03	मुकेश व्ही. संघई पिता विजय संघई	हेमलता पति प्रकाश गुप्ता	उर्मिला पति सुरेश वाघमरे	विक्रय पत्र
8	1872x7/2023	श्रीनाथ रेसीडेंसी	26	प्लांट नं. ए-3	प्रदीपकुमार पिता किशनचंद चंदवानी व आदि	प्रदीपकुमार पिता किशनचंद चंदवानी व आदि	विनोद पिता मोहनलाल धामनोदिया	विक्रय पत्र
9	1873x7/2023	खुशबू विहार	6	म.नं.64/3 का भाग	करिश्मा पति सुनीलकुमार	अर्जुनदास पिता कीमतलाल डालवानी	1. निशा पति महेश 2. सिमरन पति जय डालवानी	विक्रय पत्र
10	1874x7/2023	त्रिलोक नगर	21	प्लांट नं. सी-27	चंदाबाई पति नागूलाल जैन	चंदाबाई पति नागूलाल जैन	मनीष पिता बसंतीलाल सियाल	विक्रय पत्र
11	1875x7/2023	सनसीटी	21	म.नं. 67	1. वीरेन्द्र पिता कैलाशचंद 2. पूजा पति वीरेन्द्र सिकलीगर	1. वीरेन्द्र पिता कैलाशचंद 2. पूजा पति वीरेन्द्र सिकलीगर	दिव्या पति जितेन्द्र फूलवानी	विक्रय पत्र
12	1876x7/2023	कैलाश मार्ग	13	म.नं. 117/5	मुकेशकुमार, डाडमचंद पिता नानालाल परमार	डाडमचंद पिता नानालाल परमार	मुकेशकुमार पिता नानालाल परमार	हक त्याग पत्र
13	1877x7/2023	कैलाश मार्ग	13	म.नं. 117/81	आशा पति डाडमचंद व अनिता पति मुकेश परमार	अनिता पति मुकेश परमार	आशा पति डाडमचंद्र परमार	हक त्याग पत्र
14	1878x7/2023	हजारी रोड	18	म.नं. 117/5	मुकेशकुमार, डाडमचंद पिता नानालाल परमार	डाडमचंद पिता नानालाल परमार	मुकेशकुमार पिता नानालाल परमार	हक त्याग पत्र
15	1879x7/2023	कैलाश मार्ग	12	प्लांट नं. 50/5	मुकेशकुमार व हेमंतकुमार पिता नानालाल परमार	मुकेशकुमार पिता नानालाल परमार	हेमंतकुमार पिता डाडमचंद्र परमार	हक त्याग पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

बीजेपी के 10 सांसदों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा ने यह तय कर लिया है कि विधान सभा चुनाव जीतने वाले सभी सांसद, संसद से इस्तीफा देंगे। पार्टी आलाकमान का निर्देश मिलने के बाद विधायकी का चुनाव जीतने वाले 10 सांसदों ने अपना-अपना इस्तीफा दे दिया है। दो सांसद महंत बालकनाथ और रेणुका सिंह इस्तीफा देने नहीं पहुंच पाए, लेकिन ये दोनों भी संसद सदस्यता से इस्तीफा देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा की मुलाकात में यह फैसला लिया गया कि विधान सभा का चुनाव जीतने वाले सभी सांसद अपनी संसद सदस्यता छोड़ कर राज्य विधान सभा में जाकर काम करें। आलाकमान के फैसले के बाद, मध्य प्रदेश में विधान सभा का चुनाव जीतने वाले केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल ने लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ-साथ राज्य में विधायक का चुनाव जीतने वाले राव उदय प्रताप, राकेश सिंह और रीति पाठक ने भी लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अब ये पांचों नेता मध्य प्रदेश में विधान सभा सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे। इनमें से तोमर और पटेल को मुख्यमंत्री पद का भी दावेदार माना जा रहा है।

वहीं पार्टी आलाकमान के निर्देश पर राजस्थान में विधायक का चुनाव जीतने वाले राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और दीया कुमारी ने भी लोक सभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इन दोनों नेताओं के अलावा राजस्थान में विधायक का चुनाव जीतने वाले किरोड़ी लाल मीणा ने भी राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। छत्तीसगढ़ में विधायक का चुनाव जीतने वाले प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और गोमती साय ने भी संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इन सभी सांसदों ने इस्तीफा देने से पहले पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। लोक सभा स्पीकर और राज्य सभा सभापति से मिलकर इस्तीफा देने के दौरान जेपी नड्डा भी इनके साथ मौजूद रहे। नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और रेणुका सिंह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर उन्हें केंद्रीय मंत्री पद से भी अपना इस्तीफा सौंपेंगे।

बाल देखरेख संस्थाओं का पंजीयन कराना अनिवार्य

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि देखरेख एवं संरक्षण के जरूतमंद बालकों को संरक्षण प्रदान करने के लिये सभी बाल देखरेख संस्थाओं का किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 41 के तहत पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है। यदि बिना पंजीयन के देखरेख संस्थाएं संचालित हो रही तो वे पंजीयन के लिये प्रस्ताव अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग में प्रेषित करें।

बंसल पंचतत्व में विलीन, दी श्रद्धांजलि

पिपलियामंडी, 6 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। मेडीकल संचालक राजेन्द्र बंसल व श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष प्रकाश बंसल के पिता चौगानमल बंसल का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बुधवार को पिपलिया बस स्टेण्ड से निकली अंतिमयात्रा में बडी संख्या में समाजजन, गणमान्य नागरिक व पत्रकारगण शामिल हुए व मुक्तिधाम पर आयोजित शोकसभा में श्रद्धांजलि अर्पित की।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। सांसद गुप्ता ने कहा कि सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने और इनके विकास तथा वृद्धि हेतु नए मार्ग तलाशने हेतु क्या कदम उठाए गए या फिर किस प्रकार से प्रयास किए जा रहे है। सरकार ने हाल ही में नई दिल्ली में तीन दिवसीय वर्ल्ड फूड इंडिया, 2023 समारोह का आयोजन किया। इसके तहत कौन से आयोजन किए गए और किन देशों ने इसमें भाग लिया।

उन्होने कहा कि सरकार का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए देश भर में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने का विचार किया जा रहा। साथ ही देश के विभिन्न भागों में वर्ल्ड फूड समारोह के आयोजन हेतु एक अलग कोष बनाने का विचार है। सरकार द्वारा भारत को विश्व के प्रमुख खाद्य केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए है। प्रश्न के जवाब में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने 3 से 5 नवंबर, 2023. के दौरान प्रगति मैदान, नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया-2023 का आयोजन किया। इस आयोजन में घरेलू और विदेशी हितधारकों के व्यापक स्पेक्ट्रम ने भाग लिया, जिसमें 1208 प्रदर्शक, 7 मंत्रि-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सहित 14 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल, 715 विदेशी और 218 घरेलू खरीदार, 97 कॉर्पोरेट नेता, 10 केंद्रीय मंत्रालय/विभाग, 25 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के अलावा 6 कमोडिटी बोर्ड शामिल थे। नीदरलैंड इस आयोजन का भागीदार देश और जापान फोकस देश था। उन्होने कहा कि मंत्रालय समय-समय पर आयोजित प्रचार कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों सहित खाद्य प्रसंस्करण हितधारकों को आम सहयोगी मंच पर लाने में मदद करता है। ये प्रचार कार्यक्रम और वर्ल्ड फूड इंडिया मंत्रालय के बजटीय प्रावधानों के तहत समर्थित हैं। मंत्रालय अपनी प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई एसएफपीआई) और प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देता है। इन योजनाओं के तहत सहायता प्राप्त परियोजनाओं के परिणामस्वरूप 21656 करोड़ रुपये से अधिक का अनुमानित निवेश लाभ हुआ है। पीएलआईएसएफपीआई का लक्ष्य खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में चौंपियन ब्रांड बनाकर खाद्य प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार को सुविधाजनक बनाना है।

नगरीय निकायों में अब इलेक्ट्रिक कचरा वाहन खरीदी को प्राथमिकता

भोपाल, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र के नगरीय निकायों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए अब तक डीजल और सीएनजी वाहनों का संचालन किया जा रहा है। इस वजह से वातावरण में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। अब इसे कम करने के लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने जीवाश्म ईंधनों से संचालित वाहनों की खरीदी पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इससे निकायों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा और ईंधन में खर्च होने वाली राशि की बचत होगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने आदेश जारी किए हैं। यदि निकाय किसी कारणवश इलेक्ट्रिक गाडी नहीं खरीद सकते तो वे विभाग की अनुमति लेकर ही गैर-इलेक्ट्रिक कचरा गाड़ियां खरीद सकेंगे।

नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में इलेक्ट्रिक वाहनों की अनिवार्यता के लिए विभाग द्वारा पूर्व में तैयार की गई मप्र इलेक्ट्रिक व्हीकल पालिसी को भी संशोधित किया गया है। इससे प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन के लिए अनुकूल माहौल स्थापित करने एवं इलेक्ट्रिक चार्जिंग अधोसंरचना के निर्माण में प्रगति होने की संभावना है। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव मंडलोई के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अंतर्गत यह तय किया गया है कि सभी वाहन जो निकायों में संचालित होते हैं, उनमें इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता से क्रय किया जाए। किसी विशेष परिस्थिति में यदि इलेक्ट्रिक कचरा वाहन खरीदना संभव न हो, तो मिशन संचालक को जानकारी देकर ही खरीदी की जाए।

दानराशि की गणना

श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर की दानपेटियां बुधवार को खोली गई। प्रथम दिन की गणना में 18 लाख 36 हजार 300 रूपए गिने गए। शेष राशि की गणना आज गुरुवार को की जाएगी।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री अजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के निर्देशन में दिनांक 06/12/2023 को दशपुर विद्यालय, मंदसौर जिला मंदसौर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के तत्वाधान में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार द्वारा शिविर को सम्बोधित किया गया।

शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुये न्यायाधीश श्री हर्ष सिंह बहरावत ने बताया कि आज के तकनीकी युग में सायबर स्पेस में सुरक्षित रह पाना बड़ी चुनौती है। मोबाईल एवं कम्प्यूटर के माध्यम से लोगों से विभिन्न प्रकार के अपराध कारित किये जा रहे है। जैसे कि पहचान की चोरी उत्पीड़न या पीछा करना, हेकिंग, सायबर बुलिंग, फिशिंग आदि। बच्चों द्वारा भी अनजाने में अथवा शरारत में सायबर स्पेस में अपराध कारित हो जाते है, उन्होंने बताया कि कानून अनभिज्ञता क्षमा योग्य नहीं है। इसलिये सभी को समान रूप से कानून का ज्ञान जरूरी है। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित किया कि विभिन्न सायबर अपराधों से किस प्रकार बचा जा सकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने अन्य विधिक विषय जैसे लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधान एवं शिक्षा के अधिकार से संबंधित संवैधानिक प्रावधान एवं महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने नालसा की टोल फ्री हेल्प लाईन 15100 के बारे में तथा नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह कैसे और किस-किस को प्राप्त हो सकती है, इसके संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री वी. थामस, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के पैरा लीगल वालंटियर श्रीमती अलका गर्ग, श्रीमती आशा कोठारी, श्री संजय नीमा तथा बडी संख्या में विद्यालय के विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

शिविर में 201 श्रमिकों की जांच

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सचिव मध्य प्रदेश स्लेट पेंसिल कर्मकार कल्याण मंडल मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिले के स्लेट पेंसिल उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु विशेष सिलिकोसिस जांच शिविर का आयोजन कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय चौधरी कॉलोनी मंदयौर में आयोजित किया गया। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 90 महिलाओं एवं 111 पुरुष कुल 201 श्रमिकों की सिलिकोसिस संबंधी जांच की गई। शिविर में श्रमिकों को मंडल के द्वारा आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध कराई गई।

मंदसौर नगर गौरव दिवस पर कल पशुपतिनाथ की महाआरती होगी

सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा पर माल्यार्पण, गौरव गान सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने बताया कि मंदसौर नगर पालिका परिषद के द्वारा दिनांक 8 दिसम्बर शुक्रवार को मंदसौर नगर का गौरव दिवस मनाया जायेगा। गौरव दिवस के उपलक्ष्य में नपा परिषद के द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रमो का आयोजन दिनांक 7 व 8 दिसम्बर को किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस दिनांक 7 दिसम्बर गुरूवार को गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर तैलिया तालाब स्थित सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण एवं दिप प्रज्ञवलन कार्यक्रम सांय 6 बजे ,सांय 7 बजे भव्य आतिशबाजी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मंदसौर गौरव गान का आयोजन होगा। दिनांक 8 दिसम्बर शुक्रवार को नगर पालिका परिषद परिवार के द्वारा भगवान पशुपतिनाथ महादेव की महाआरती का आयोजन सांय 6 बजे होगा। इसके बाद सांय 7 बजे पशुपतिनाथ मंदिर के समीप शिवना तट छोटी पुलिया पर भव्य आतिबाजी की जायेगी।

इन दोनो कार्यक्रमो में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, हुडको के डायरेक्टर श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द्र सारस्वत, भाजपा दक्षिण मण्डल अध्यक्ष अजय आसेरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगे। नगर के गणमान्य नागरिको से नपा परिषद आग्रह करती है कि वे मंदसौर नगर दिवस के गौरव दिवस समारोह में शामिल होवे व कार्यकम की गरिमा बढावे।

संजीत में नाईट क्रिकेट टुर्नमिंट का आयोजन, फाईनल आज

संजीत, 6 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। ग्राम के अब्दापुर खेल मैदान में पहली बार पायर्स-11 क्रिकेट टीम संजीत के तत्वावधान में मां फोसरी (संजीत) रात्री कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता-2023 का आयोजन किया जा रहा है ?। गत 2 दिसंबर से शुरु हुऐ इस क्रिकेट टुर्नामेंट का 7 दिसंबर गुरुवार को समापन होगा ?। इस नाईट क्रिकेट टुर्नामेंट में संजीत सहीत आसपास के मगरा, खेजडी, बांसखेड़ी, बिल्लोद, टीढवास, कालीयाखेड़ी सहीत विभिन्न गांवों की क्रिकेट टीमे भाग ले रही है। क्षेत्र के सभी युवा होनहार क्रिकेट खिलाड़ी इस मुकाबले में अपने अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन दिखा रहे हैं। छ: दिवसीय इस नाईट क्रिकेट मुकाबले का प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपये की नगद राशी शरद जैन संजीत पुर्व मार्केट सोसायटी पिपलियामंडी अध्यक्ष, द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपये की नगद राशी बापुलाल भाटी ढाणी, जनपद सदस्य प्रतिनिधि मल्हारगढ़ की और से दिया जाएगा। प्रतिदिन हो रहे क्रिक्रेट के शानदार मुकाबले में रोमांचक मैच दर्शको का मन मोह रहे हैं ?। आज बुधवार रात्री प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। जिसके बाद गुरुवार को दुसरा सेमीफाइनल और फाइनल का मुकाबला होगा। साथ ही प्रतिदिन के मैच में 'मेंन आप द मैच' सरोज मेडिकल संजीत के संचालक व क्रिकेट प्रेमी संदीप जैन द्वारा दिया जा रहा है। संजीत के अब्दापुर खेल मैदान में पहली हो रहे हैं इस नाईट क्रिकेट टुर्नामेंट को लेकर क्रिकेट प्रेमीयो में खासा उत्साह है।

नपा में लगेगी 9 को नेशनल लोक अदालत, करो के अधिभार में छूट मिलेगी

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने बताया कि नगर के समस्त सम्पतिकर समेंकीतकर जलकर उपभोक्ता को सूचित किया जाता हे की सम्पतिकर समेंकीतकर जलकर बकायादारो को दिनाक् 09/12/2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन हो रहा हे। प्रात 10.30 बजे से सांय 5 बजे तक नपा कार्यालय परिसर में नेशनल लोक अदालत लगेगी जिसमे पेनल्टी सरचार्ज ब्याज की बकाया राशि मे छुट दी जा रही हे सभी बाकायादार छुट का लाभ लेवे।

शीत लहर व ठंड के कारण पेयजल वितरण देरी से होगा

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला, जलकार्य समिति के सभापति निलेश जैन ने बताया कि मंदसौर नगर पालिका के द्वारा शीत लहर व ठंड को देखते हुए प्रातकाल 4 व 4.30 बजे की पेयजल वितरण व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। मंदसौर नगर में जहा प्रात 4 व 4.30 बजे पेयजल वितरण होता है वहा 1 घटे देरी से पेयजल वितरण होगा। नागरिको की सुविधा के लिये नपा परिषद ने यह निर्णय लिया है।

बाइक चोरी का केस दर्ज

पिपलियामंडी, 6 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। चन्दवासा निवासी पूनमचन्द पिता तोरीराम बावरी ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मल्हारगढ़ लोकसेवा केन्द्र के पास बाइक (एमपी 14 एमआर 6632) को खड़ा कर मजदूरी पर गया था, इसी दौरान अज्ञात बदमाश बाइक चोरी कर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज किया।

जिले में होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड जिला मंदसौर श्री डी. आर. वर्मा द्वारा बताया गया की जिले में 77 वा होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान श्री रब्बी उल्ला काजी प्लाटून कमांडर के नेतृत्व में 3 प्लाटूनों के द्वारा सलामी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सतनाम सिंह उपस्थित थे। अपर कलेक्टर एवं नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा आपदा प्रबंधन उपकरणों की प्रदर्शनी का निरीक्षण कर सराहना की गई। जिला सेनानी श्री धर्मराज वर्मा के द्वारा आभार प्रकट किया और कार्यक्रम का संचालन जिला सिविल डिफेंस अधिकारी श्री विजय सिंह पुरावत के द्वारा किया गया।

ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट 26 से आयोजित होगा

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चंबल फुटबॉल क्लब, मंदसौर द्वारा अपने क्षेत्र में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। इस बैठक में आगामी 26 से 31 दिसंबर तक 6 दिवसीय मंदसौर के दिवंगत फुटबॉल खिलाड़ियों की स्मृति में स्व. जितेंद्र सिंह मसराम और स्व. गौरव गिरवाल स्मृति कश ट्रॉफी ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला लिया गया।

इस टूर्नामेंट में सम्पूर्ण भारत से सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल टीमों को आमंत्रित किया गया है। जिसमे से तमिलनाडु, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल की प्रमुख टीमों सहित लगभग 20 टीमों की स्वीकृति क्लब की चयन समिति के पास प्राप्त हो चुकी है। इसमें से 12 टीमों का चयन चंबल फुटबॉल क्लब की चयन समिति द्वारा किया जाएगा, जो की 26 तारीख से प्रारंभ होने वाले टूर्नामेंट में खेलेंगी। बैठक में क्लब अध्यक्ष डॉ. भानुप्रतापसिंह सिसौदिया, संरक्षक श्री विनोद गर्ग, संयोजक श्री विपिन शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री सुरेंद्र प्रताप सिंह तथा चयन समिति और क्लब के अन्य सदस्य मौजूद थे। उपरोक्त जानकारी क्लब सचिव एड. ईश्वर सिंह चौहान ने प्रदान की।

✻ उठावना ✻

हमारे पिताजी, संतोष, दिनेश व मालूराम बसंल के काकाजी, अर्पित, अंकित, दीपक, गौरव, अवि, अनुज, मोहित, शाभित, आयुष के दादाजी श्री चौगानमल बंसल (मामाजी) का निधन 5 दिसम्बर को हो गया है। उठावना 7 दिसम्बर को दोपहर 2.30 बजे निवास स्थान राज मेडीकल, बस स्टेण्ड पिपलियामंडी पर रखा है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

राजेन्द्र बसंल, प्रकाश बंसल (जिलाध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ), पिपलियामंडी

अजाक्स द्वारा बाबा साहेब का परिनिर्वाण दिवस मनाया

मंदसौर, 6 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संगठन द्वारा बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस डॉ भीमराव अंबेडकर चौराहा मंदसौर पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया।

इस अवसर पर अजाक्स जिलाध्यक्ष श्री प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी द्वारा बाबा साहब द्वारा किए गए कार्यो के बारे में विस्तृत विचार रखे गए।साथ ही पूर्व अजाक्स अध्यक्ष ओपी वर्मा साहब ने भी अपने विचार रखें। सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा एकमत से बाबा साहब द्वारा दिए गए सिद्धांत शिक्षित बनो, संगठित रहो, व संघर्ष करो को जीवन में उतारने हेतु संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अजाक्स संभागीय उपाध्यक्ष जेपी अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सूर्यवंशी, जिला सचिव मनोज कुमार धानिया, वरिष्ठ जिला सचिव श्री रघुवीर मालवीय, जिला पदाधिकारीगण मुकेश कोठे, प्रोफेसर के.आर. सूर्यवंशी , गोवर्धन लाल परमार(बामसेफ जिलाध्यक्ष), वर्दीचंद श्रीमाल, रमेश पारगी, शैलेंद्र गोयल, विजय देवड़ा रामलाल जाटव, प्रेमचंद बामनिया, एफसी चौहान, जवाहर सुनार्थी , दिनेश सरेड, राधेश्याम देवड़ा, अभिनंदन सूर्यवंशी, मनोज सूर्यवंशी ,दिनेश सूर्यवंशी, सुनील राठौर ,राजू मालवीय ,राजू खराड़ी, ईश्वर कुंद्रारन, शोभाराम सूर्यवंशी, जीवराज डांगी, जगदीश खींची, प्रोफेसर संदीप सोनगरा आदि अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

चार महिला वालीबाल खिलाड़ी चयनित

मंदसौर, 6 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ एल एन शर्मा ने बताया की 4 महिला खिलाडियों का चयन विक्रम विश्वविद्यालय के महिला वॉलीबॉल टीम में हुआ है। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी श्री राजू कुमार ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि आगर जिले में आयोजित संभाग स्तरीय वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उक्त प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर 4 महिला खिलाड़ी (दिव्यांशी, नेहा, जाह्नवी, सुमन) का चयन विक्रम विश्वविद्यालय के दल में हुआ है। ये सभी खिलाड़ी 7 दिसंबर से सागर में आयोजित होने वाले अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। सभी खिलाड़ियों ने विगत कई दिनों से कॉलेज के नए वॉलीबॉल ग्राउंड पर कठिन अभ्यास किया है जिसके परिणाम स्वरूप टीम ने इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया है। खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ,कर्मचारियों ने अपनी शुभकामनाएं दी।

अपराध की नियत से घर में घुसे बदमाश को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया

पिपलियामंडी, 6 दिसम्बर गुरू एक्सप्रेस। अपराध की नियत से घर में घुसे बदमाश को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया। पुरानी पानी की टंकी के पास निवासरत भंवरसिंह पिता खुमानसिंह राजपूत ने पिपलिया थाने पर बुधवार को शिकायत दर्ज कराई की बीती रात्रि 11 बजे करीब फाटक मोहल्ला निवासी राहुल पिता अशोक गुर्जर दिवाल फांदकर घर में घुस गया। जिसे मैंने अपने ड्राइवर गोवर्धन पिता भंवरलाल की मदद से राहुल को पकड़ लिया। राहुल ने धमकी दी कि अगर तुमने मेरे खिलाफ पुलिस में शिकायत की तो जान से मार दूंगा। पुलिसने आरोपी राहुल के खिलाफ धारा 456, 506 में केस दर्ज किया।

कार्यालय- दीपक सैनी एड०होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 06.12.2023

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजेश दास पिता रमेश दास जाति बैरागी, निवासी ग्राम लसुड़ी तहसील व जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो मकान नंबर-33 पर दर्ज होकर, वार्ड क्रमांक 11 में स्थित होकर, ग्राम लसुड़ी ग्राम पंचायत ईशाकपुर, गाईडलाईन अनुसार प.ह. नं. 62 तहसील व जिला मंदसौर का सहस्वामी विधिवत रजिस्टर्ड सहस्वामित्व पत्र ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392023ए 12614143 दिनांक 01.12.2023 से अपनी पत्नी श्रीमती उमा बाई पति राजेश दास जी जाति बैरागी, निवासी ग्राम लसुड़ी तहसील व जिला मंदसौर को बनाया है। उक्त भूखण्ड की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है- चर्तु:सीमा-पूर्व में-खुली भूमि, पश्चिम में-मेन रोड़, उत्तर में -मोनाकुंवर पति सोहनसिंह, दक्षिण में-किशोरदास, पैमाईश-पूर्व से पश्चिम 100 फीट, उत्तर से दक्षिण 26 फीट, कुल क्षेत्रफल - 2600 वर्गफीट या 241.54 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर श्री राजेश दास पिता रमेश दास जाति बैरागी, निवासी ग्राम लसुड़ी तहसील व जिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय

दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्डिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in